

राजस्थान GK · अपडेटेड जून 2026

## राजस्थान का औद्योगिक विकास

औद्योगिक पार्क, PSU, सीमेंट-वस्त्र उद्योग और RIPS-2024 व 2026 की नई नीतियों के साथ — परीक्षा हेतु पूर्ण नोट्स

CSIR NET

UPSC GSI

RAS

REET

पटवारी

SSC / Railway

राजस्थान अब पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ भारत के औद्योगिक मानचित्र पर एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। यह नोट्स दिसंबर 2024 की राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट और वर्ष 2026 में घोषित नई औद्योगिक नीतियों सहित राज्य के संपूर्ण औद्योगिक ढांचे को कवर करते हैं — एक ही जगह, परीक्षा-केंद्रित प्रारूप में।

### इस नोट्स में शामिल विषय

- संस्थागत ढांचा — RIICO, RFC, RAJSICO, RUDA
- निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क (EPIP)
- विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)
- विशिष्ट औद्योगिक पार्क व क्लस्टर
- लॉजिस्टिक्स — ICD व एयर कार्गो
- केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम (PSU)
- जिला-वार औद्योगिक परिदृश्य
- क्षेत्रीय विश्लेषण — काँच, उर्वरक, चीनी, ऑटो
- सीमेंट उद्योग
- सूती वस्त्र उद्योग
- नई नीतियाँ 2024-2026 (Current Affairs)
- 12-13. त्वरित पुनरीक्षण व FAQ

राजस्थान, जो ऐतिहासिक रूप से अपनी पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, अब भारत के औद्योगिक मानचित्र पर एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। राज्य में खनिज संपदा की प्रचुरता, रणनीतिक भौगोलिक स्थिति (दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर पर स्थित) और सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों ने **राजस्थान के औद्योगिक विकास** को नई गति प्रदान की है। दिसंबर 2024 में आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के बाद राज्य में निवेश और औद्योगिक नीतियों को लेकर तेज़ी से बदलाव हुए हैं, जिसमें वर्ष 2026 में कई नई नीतियां भी शामिल हैं।

यह लेख CSIR NET, UPSC GSI, RAS, REET, पटवारी, SSC और अन्य राजस्थान-केंद्रित परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए राज्य के औद्योगिक ढांचे, प्रमुख पार्कों, सार्वजनिक उपक्रमों, विशिष्ट उद्योगों और 2024-2026 की नवीनतम नीतियों का संपूर्ण और अद्यतन विवरण प्रस्तुत करता है।

## 1. औद्योगिक विकास का संस्थागत ढांचा: RIICO, RFC, RAJSICO और RUDA

राजस्थान में औद्योगीकरण की रीढ़ कुछ प्रमुख राज्य-स्तरीय निगमों पर टिकी है, जो परीक्षाओं में सबसे अधिक पूछे जाने वाले विषयों में से एक है।

### रीको (RIICO) — Rajasthan State Industrial Development & Investment Corporation

- **पृष्ठभूमि:** 28 मार्च 1969 को 'राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम' (RSIMDC) की स्थापना हुई। 1 जनवरी 1980 को इसे विभाजित करके दो अलग निगम बनाए गए — **रीको (RIICO)** और **राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम (RSMDC)**।
- **मुख्यालय:** उद्योग भवन, जयपुर।
- **कार्य:** औद्योगिक क्षेत्रों (Industrial Areas) का विकास, भूखंड आवंटन, मध्यम-वृहद उद्योगों को अवधि ऋण और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना।
- **ताज़ा अपडेट (2025-26):** रीको ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में निवेशकों के लिए **21 नए औद्योगिक क्षेत्र** आवंटन हेतु खोले हैं — जैसे अलवर का रूंधसोखरी (40 भूखंड), अजमेर का अजयमेरू-पालड़ा विस्तार (18 भूखंड) आदि, जिनमें अधिकांश में प्रत्यक्ष आवंटन योजना लागू है।

### राजस्थान वित्त निगम (RFC)

- **स्थापना:** 17 जनवरी 1955, राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 के अंतर्गत।
- **उद्देश्य:** सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को दीर्घकालीन वित्तीय सहायता, भूमि-क्रय व कार्यशील पूंजी हेतु ऋण।
- **प्रमुख योजनाएं:** शिल्पबाड़ी योजना, महिला उद्यम निधि योजना, सेमफैक्स योजना (भूतपूर्व सैनिकों हेतु), टेक्नोक्रेट योजना।

## राजसिको (RAJSICO) और रूडा (RUDA)

- **राजसिको:** राजस्थान लघु उद्योग निगम — लघु उद्योगों के उत्पादों के विपणन व शुष्क बंदरगाह (ICD) के संचालन हेतु उत्तरदायी।
- **रूडा (RUDA):** ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण — हथकरघा, हस्तशिल्प, ऊन और चर्म आधारित ग्रामीण उद्योगों के क्लस्टर विकास हेतु कार्यरत।

## 2. निर्यात संवर्धन एवं औद्योगिक पार्क (EPIP)

निर्यात को बढ़ावा देने और विदेशी मुद्रा अर्जित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के सहयोग से रीको द्वारा निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क (Export Promotion Industrial Park) स्थापित किए गए हैं।

पार्क	जिला	स्थापना/विशेषता
सीतापुरा	जयपुर	राज्य का प्रथम EPIP (स्थापना 1997); उत्तर भारत का प्रमुख औद्योगिक क्लस्टर
बोरानाडा	जोधपुर	हस्तशिल्प एवं ग्वार गम निर्यात को बढ़ावा
नीमराणा	अलवर	दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (DMIC) क्षेत्र; जापानी-कोरियाई निवेश का केंद्र

## 3. विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)

राजस्थान में SEZ नीति 13 मार्च 2003 को जारी की गई थी। रीको और निजी क्षेत्र के सहयोग से राज्य में प्रमुख SEZ निम्नलिखित हैं:

### जयपुर — महिंद्रा वर्ल्ड सिटी:

- सूचना प्रौद्योगिकी (IT/ITeS) — इंफोसिस, विप्रो जैसी कंपनियों की उपस्थिति
- हस्तशिल्प (Handicrafts)
- ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग

### जेम्स एण्ड ज्वेलरी SEZ:

- सीतापुरा फेज़-1 व फेज़-2, जयपुर (हीरा व रंगीन रत्न उद्योग)

### अन्य:

- बोरानाडा (जोधपुर) — मूलतः हस्तशिल्प हेतु (वर्तमान में आंशिक रूप से सामान्य औद्योगिक क्षेत्र में परिवर्तित)
- सोमानी सेज, खुशखेड़ा (अलवर) — ऑटो कंपोनेंट्स हेतु

## 4. विशिष्ट औद्योगिक पार्क एवं क्लस्टर

### (A) बायोटेक्नोलॉजी पार्क

सीतापुरा (जयपुर) और भिवाड़ी (अलवर) में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान व विकास को बढ़ावा।

### (B) सूचना प्रौद्योगिकी (IT) पार्क

जयपुर (महिंद्रा वर्ल्ड सिटी व EPIP क्षेत्र), जोधपुर, उदयपुर, कोटा।

### (C) एग्रो फूड पार्क

रीको द्वारा विकसित चार प्रमुख एग्रो फूड पार्क — रानपुर (कोटा), बोरानाडा (जोधपुर), श्रीगंगानगर, अलवर।

### (D) अन्य विशिष्ट पार्क

पार्क/कॉम्प्लेक्स	स्थान	विशेषता
स्पाइस पार्क (प्रथम)	रामपुरा भाटियान, जोधपुर	मसाला प्रसंस्करण
स्पाइस पार्क (द्वितीय)	रामगंजमंडी, कोटा	धनिया उत्पादक क्षेत्र
स्टोन पार्क	मण्डोर (जोधपुर), विष्णुपुरा (धौलपुर), करौली	पत्थर उद्योग
चमड़ा कॉम्प्लेक्स	मानपुरा-माचेड़ी, जयपुर	लेदर टैनिंग व उत्पाद निर्माण
ऊन कॉम्प्लेक्स	बीकानेर (एशिया की सबसे बड़ी ऊन मंडी), ब्यावर	ऊन व्यापार
जापानी पार्क ('मिनी जापान')	नीमराणा, अलवर	जापानी निवेश; दूसरा जापानी ज़ोन गिलोट (अलवर) में विकासाधीन
कोरियाई पार्क	गिलोट, अलवर	रीको व कोटरा (कोरिया) की संयुक्त भागीदारी
मेगा टेक्सटाइल क्लस्टर	भीलवाड़ा	केंद्र सरकार सहायता प्राप्त वस्त्र निर्यात केंद्र

## 5. लॉजिस्टिक्स अवसंरचना: इनलैंड कंटेनर डिपो (ICD) / शुष्क बंदरगाह

समुद्री तट न होने के कारण, आयात-निर्यात सुगम बनाने हेतु राजसिको (RAJSICO) द्वारा शुष्क बंदरगाह संचालित किए जाते हैं।

- **प्रमुख ICD:** मानसरोवर (जयपुर), भिवाड़ी (अलवर), बासनी/बोरानाडा (जोधपुर), भीलवाड़ा

- निर्माणाधीन: खेमली (उदयपुर)
- एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स: सांगानेर हवाई अड्डा, जयपुर (राजसिको द्वारा संचालित)

## 6. राजस्थान में केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (Central PSUs)

उपक्रम	स्थान	विवरण एवं वर्तमान स्थिति
हिन्दुस्तान मशीन टूल्स (HMT)	अजमेर	चेकोस्लोवाकिया के सहयोग से स्थापित; घड़ियाँ व मशीन टूल्स। वर्तमान में परिचालन बंद/सीमित।
हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCL)	खेतड़ी, झुंझुनू	अमेरिकी तकनीकी सहयोग से स्थापित; भारत में तांबा उत्पादन का प्रमुख केंद्र
हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL)	देबारी (उदयपुर), चंदेरिया (चित्तौड़गढ़)	सीसा-जस्ता शोधन; मूलतः केन्द्रीय उपक्रम, अब वेदांता समूह (~65% हिस्सेदारी) के प्रबंधन में, केंद्र सरकार के पास अब भी लगभग 29.5% हिस्सेदारी है और आगे विनिवेश प्रक्रियाधीन है
हिन्दुस्तान साल्ट्स लिमिटेड	सांभर, जयपुर	सहायक कंपनी 'सांभर साल्ट्स लिमिटेड' खारे पानी से नमक उत्पादन करती है
इंस्ट्रुमेंटेशन लिमिटेड (IL)	कोटा	कंट्रोल इंस्ट्रुमेंट्स निर्माण; बंदी प्रक्रियाधीन। सहायक इकाई 'रील' (REIL) जयपुर में कार्यरत

**परीक्षा टिप:** HCL का पूरा नाम (हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, खेतड़ी) अक्सर 'हिन्दुस्तान साइकिल लिमिटेड' जैसे भ्रामक विकल्पों के साथ पूछा जाता है — ध्यान रखें।

## 7. जिला-वार औद्योगिक परिदृश्य

- सर्वाधिक औद्योगिक इकाइयाँ: जयपुर (प्रथम), अलवर (द्वितीय)
- न्यूनतम औद्योगिक इकाइयाँ: हनुमानगढ़, जैसलमेर
- वृहत व मध्यम उद्योगों में अग्रणी: अलवर (भिवाड़ी-नीमराणा बेल्ट) और भीलवाड़ा
- औद्योगिक नगरी: भारत की — कानपुर; राजस्थान की — कोटा
- मैनचेस्टर/टेक्सटाइल सिटी: भारत का — अहमदाबाद (पूर्व का 'बोस्टन ऑफ इंडिया'), मुंबई; राजस्थान का — भीलवाड़ा

## 8. प्रमुख उद्योग: क्षेत्रीय विश्लेषण

### (A) कांच उद्योग (Glass Industry)

- सेंट गोबेन (Saint-Gobain): भिवाड़ी, अलवर — विश्व की अग्रणी फ्लोट ग्लास निर्माता
- हाईटेक प्रिसिजन ग्लास फैक्ट्री व धौलपुर ग्लास वर्क्स: धौलपुर

### (B) उर्वरक एवं रसायन उद्योग

राज्य में रॉक फॉस्फेट व जिप्सम की उपलब्धता के कारण विकसित:

- राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (RCF): कपासन, चित्तौड़गढ़ (DAP खाद)
- चम्बल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स: गढेपान, कोटा — निजी क्षेत्र का देश का सबसे बड़ा गैस आधारित यूरिया संयंत्र
- श्रीराम फर्टिलाइजर्स: श्रीराम नगर, कोटा
- राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स: डीडवाना, नागौर — सोडियम सल्फेट/सल्फाइड उत्पादन

### (C) चीनी उद्योग

राज्य के तीनों क्षेत्रों (निजी, सार्वजनिक, सहकारी) का प्रतिनिधित्व करने वाला सीमित किंतु ऐतिहासिक उद्योग:

- द मेवाड़ शुगर मिल्स (1932), भोपालसागर, चित्तौड़गढ़: राजस्थान की प्रथम चीनी मिल (निजी क्षेत्र, वर्तमान में बंद)
- राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स (सार्वजनिक क्षेत्र), कमीनपुरा, श्रीगंगानगर: गन्ने व चुकंदर दोनों से चीनी उत्पादन
- केशवरायपाटन सहकारी शुगर मिल्स (1965), बूंदी: सहकारी क्षेत्र (वर्तमान में बंद)

### (D) ऑटोमोबाइल एवं टायर उद्योग

अलवर जिला (भिवाड़ी-नीमराणा-खुशखेड़ा बेल्ट) ऑटोमोबाइल हब के रूप में उभरा है:

- होंडा सिएल कार्स: खुशखेड़ा, अलवर
- हीरो मोटोकॉर्प: नीमराणा, अलवर — विश्व की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता का प्लांट
- जे.के. टायर: कांकरोली, राजसमंद — राज्य का सबसे प्रमुख टायर कारखाना

### (E) रेलवे वैगन उद्योग

- सिमको (SIMCO) वैगन फैक्ट्री: भरतपुर
- टीटागढ़ वैगन्स (पूर्व कोटा वर्कशॉप): कोटा

## 9. सीमेंट उद्योग: राजस्थान की रीढ़

राजस्थान सीमेंट उत्पादन में भारत के अग्रणी राज्यों में है, जिसका मुख्य कारण विंध्यन कगार क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले चूना पत्थर (Limestone) की उपलब्धता है। विश्व में चीन के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक है, और राजस्थान सफेद सीमेंट (White Cement) उत्पादन में लगभग एकाधिकार रखता है।

श्रेणी	इकाई	स्थान
सफेद सीमेंट (प्रथम, 1984)	जे.के. व्हाइट सीमेंट	गोटन, नागौर
सफेद सीमेंट (विश्व की सबसे बड़ी इकाइयों में)	बिड़ला व्हाइट (अल्ट्राटेक)	खरिया खंगार, जोधपुर
सफेद सीमेंट (नई इकाई)	जे.के. व्हाइट	मांगरोल, चित्तौड़गढ़
पोर्टलैंड/ग्रे (प्रथम, 1915)	ए.सी.सी. (ACC)	लाखेरी, बूंदी
पोर्टलैंड/ग्रे	जे.के. सीमेंट	निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़
पोर्टलैंड/ग्रे	श्री सीमेंट	ब्यावर, अजमेर
पोर्टलैंड/ग्रे	मंगलम सीमेंट	मोडक, कोटा
पोर्टलैंड/ग्रे	बिनानी (अब अल्ट्राटेक)	पिंडवाड़ा, सिरौही

**सीमेंट नगरी:** चित्तौड़गढ़ राजस्थान का प्रमुख सीमेंट हब माना जाता है।

## 10. सूती वस्त्र उद्योग

राजस्थान का सबसे प्राचीन, संगठित और सर्वाधिक रोजगार देने वाला उद्योग।

- **ऐतिहासिक शुरुआत:** 1889 में ब्यावर (अजमेर) में 'द कृष्णा मिल्स लिमिटेड' की स्थापना — संस्थापक सेठ दामोदर दास राठी
- **सार्वजनिक क्षेत्र (NTC अधिग्रहित):** महालक्ष्मी मिल्स व एडवर्ड मिल्स (ब्यावर), विजय कॉटन मिल्स (विजयनगर, अजमेर) — अधिकांश अब रुग्ण/बंद
- **सहकारी क्षेत्र (SPINFED, गठन 1993):** राजस्थान सहकारी कताई मिल (गुलाबपुरा, भीलवाड़ा), गंगापुर सहकारी कताई मिल (भीलवाड़ा), गंगानगर सहकारी कताई मिल (हनुमानगढ़)
- **निजी क्षेत्र:** द कृष्णा मिल्स (ब्यावर), मेवाड़ टेक्सटाइल मिल्स (भीलवाड़ा, 1938), महाराजा उम्मेद मिल्स (पाली, 1942), राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स — RSWM (भीलवाड़ा, मयूर सूटिंग्स)

## 11. हाल की प्रमुख औद्योगिक नीतियाँ एवं घटनाएं (2024-2026)

यह खंड राज्य की सबसे नवीनतम औद्योगिक नीतियों को कवर करता है, जो वर्तमान घटनाओं (Current Affairs) आधारित प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है।

### राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024

9-11 दिसंबर 2024 को जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (JECC), सीतापुरा में आयोजित इस तीन-दिवसीय समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इसमें लगभग 32-35 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए और राज्य सरकार के अनुसार लगभग **₹35 लाख करोड़** के निवेश समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित हुए — जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक है। फरवरी 2026 तक सरकार के अनुसार इनमें से **₹8 लाख करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है**। समिट का अगला संस्करण 2026 में प्रस्तावित है।

### RIPS-2024 (राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना)

पूर्ववर्ती RIPS-2022 की कमियों को दूर करते हुए लागू की गई इस योजना (प्रभावी अवधि: 7 अक्टूबर 2022 से 31 मार्च 2027) में नए सनराइज सेक्टर जोड़े गए हैं — एयरोस्पेस, रक्षा, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, एग्री-टेक और अपशिष्ट पुनर्चक्रण। योजना के अंतर्गत पूंजी अनुदान, ब्याज अनुदान, GST अनुदान और शुल्क छूट जैसी सुविधाएं दी जाती हैं।

### औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में घोषित इस नीति में निजी क्षेत्र द्वारा औद्योगिक पार्क स्थापना हेतु चार नए मॉडल और **₹40 करोड़ तक का पूंजीगत अनुदान** प्रावधानित है। न्यूनतम 50 एकड़ क्षेत्रफल व 10 इकाइयों वाले पार्कों हेतु पात्रता निर्धारित है। ग्रीन इंडस्ट्रियल विकास हेतु CETP (Common Effluent Treatment Plant) पर 50% तक लागत प्रतिपूर्ति का प्रावधान है।

### राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026

राज्य को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने के उद्देश्य से लागू। इसमें 7 वर्षों तक 100% विद्युत शुल्क छूट तथा स्टाम्प शुल्क व भू-रूपांतरण शुल्क में 75% तक की छूट शामिल है।

### राजस्थान औद्योगिक विकास नीति-2026

भजनलाल कैबिनेट द्वारा स्वीकृत यह नीति राज्य को वैश्विक औद्योगिक हब बनाने पर केंद्रित है, जिसमें सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, डिफेंस मैनुफैक्चरिंग और नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष फोकस है।

इनके अतिरिक्त सरकार ने मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, एक जिला-एक उत्पाद नीति और एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति जैसी कई संबद्ध नीतियां भी जारी की हैं।

## 12. परीक्षा हेतु त्वरित पुनरीक्षण: महत्वपूर्ण तथ्य एक नज़र में

बिंदु	उत्तर
राज्य का प्रथम EPIP	सीतापुरा, जयपुर (1997)
राज्य की प्रथम चीनी मिल	मेवाड़ शुगर मिल्स, भोपालसागर (1932)
राज्य का प्रथम सीमेंट कारखाना	ए.सी.सी., लाखेरी, बूंदी (1915)
राज्य का प्रथम सफेद सीमेंट कारखाना	जे.के. व्हाइट सीमेंट, गोटन, नागौर (1984)
राज्य की प्रथम सूती वस्त्र मिल	द कृष्णा मिल्स, ब्यावर (1889)
एशिया की सबसे बड़ी ऊन मंडी	बीकानेर
राजस्थान का 'मिनी जापान'	नीमराणा, अलवर
राजस्थान की औद्योगिक नगरी	कोटा
राजस्थान का टेक्सटाइल सिटी/मैनचेस्टर	भीलवाड़ा
सर्वाधिक औद्योगिक इकाइयों वाला जिला	जयपुर
रीको की स्थापना	1 जनवरी 1980
राजस्थान वित्त निगम (RFC) की स्थापना	17 जनवरी 1955
राइजिंग राजस्थान समिट 2024 के MoU	लगभग ₹35 लाख करोड़

## 13. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

**प्रश्न 1:** राजस्थान का प्रथम निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क (EPIP) कहाँ स्थित है?

उत्तर: सीतापुरा, जयपुर में, जिसकी स्थापना 1997 में हुई थी।

**प्रश्न 2:** रीको (RIICO) की स्थापना कब हुई थी?

उत्तर: 28 मार्च 1969 को स्थापित राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम को विभाजित कर 1 जनवरी 1980 को रीको और RSMDC का गठन हुआ।

**प्रश्न 3:** राजस्थान में सफेद सीमेंट उत्पादन की प्रमुख इकाइयां कौन सी हैं?

उत्तर: जे.के. व्हाइट सीमेंट (गोटन, नागौर) राज्य की प्रथम इकाई है, जबकि बिड़ला व्हाइट (खरिया खंगार, जोधपुर) विश्व की सबसे बड़ी सफेद सीमेंट इकाइयों में से एक है।

#### प्रश्न 4: हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड का वर्तमान स्वामित्व किसके पास है?

उत्तर: हिन्दुस्तान जिंक मूलतः केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम था; वर्तमान में वेदांता समूह के पास लगभग 65% हिस्सेदारी है, जबकि केंद्र सरकार लगभग 29.5% हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ी अल्पसंख्यक शेयरधारक है और आगे विनिवेश की प्रक्रिया चल रही है।

#### प्रश्न 5: RIPS-2024 क्या है?

उत्तर: यह राजस्थान सरकार की निवेश प्रोत्साहन योजना है, जो पूंजी अनुदान, ब्याज अनुदान व शुल्क छूट के साथ सेमीकंडक्टर, ड्रोन, डिफेंस, एग्री-टेक जैसे सनराइज सेक्टरों को प्रोत्साहन देती है।

#### प्रश्न 6: राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 कब और कहाँ आयोजित हुआ?

उत्तर: 9 से 11 दिसंबर 2024 तक जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (JECC), सीतापुरा में।

#### प्रश्न 7: राजस्थान में सर्वाधिक औद्योगिक इकाइयां किस जिले में हैं?

उत्तर: जयपुर जिले में, इसके बाद अलवर जिला दूसरे स्थान पर है।

#### प्रश्न 8: भीलवाड़ा को राजस्थान का 'मैनचेस्टर' क्यों कहा जाता है?

उत्तर: सूती वस्त्र उद्योग में भीलवाड़ा की प्रमुख भूमिका (मेवाड़ टेक्सटाइल मिल्स, RSWM, मेगा टेक्सटाइल क्लस्टर) के कारण इसे राजस्थान का टेक्सटाइल सिटी/मैनचेस्टर कहा जाता है।

## निष्कर्ष

राजस्थान में औद्योगिक विकास की सर्वाधिक संभावनाएं पर्यटन, खनन और सीमेंट उद्योगों के साथ-साथ अब सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में भी निहित हैं। राइजिंग राजस्थान 2024 के बाद आई नीतिगत लहर — RIPS-2024 से लेकर औद्योगिक विकास नीति-2026 तक — राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है, और यह विषय आने वाले समय में राजस्थान-केंद्रित परीक्षाओं में करंट अफेयर्स व स्टैटिक GK दोनों दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बना रहेगा।

राजस्थान से संबंधित अधिक परीक्षा-उपयोगी सामग्री और मॉक टेस्ट के लिए StudyHub (studyhub.net.in) पर हमारी टेस्ट सीरीज़ देखें और हमारे Telegram चैनल से जुड़ें।

**StudyHub.net.in** — राजस्थान व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं (CSIR NET, UPSC GSI, GATE, SSC, Railway, Banking) हेतु अध्ययन सामग्री, सरकारी नौकरी सूचनाएं और टेस्ट सीरीज़।

अधिक नोट्स व मॉक टेस्ट के लिए वेबसाइट पर विज़िट करें और हमारे Telegram चैनल से जुड़ें।